www.keshavtv24.com UDYAM-BR-0010266 keshavtvbihar@gmail.com

केशव न्यूज

बुधवार 15 जनवरी 2025

वर्ष : 1 । अंक : 1

महाकुंभ 2025 के पहले शाही स्नान में 3.5 करोड़ श्रद्धालुओं ने संगम में डुबकी लगाई

संवाददाता केशव न्यूज

महाकुंभ के पहले अमृत स्नान में मंगलवार को 3.5 करोड़ श्रद्धालुओं ने संगम में डुबकी लगाई। शाही स्नान सुबह 6 बजे से शुरू हुआ और शाम 6 बजे समाप्त हुआ। इस दौरान सभी 13 अखाड़ों के संतों ने स्नान किया। स्नान के बाद लोग प्रयागराज से लौटने लगे। रेलवे स्टेशन और बस स्टैंड की ओर जाने वाली सड़कों पर भारी भीड़ देखी गई। प्रयागराज रेलवे स्टेशन पर पैर रखने की जगह नहीं बची। लोगों को हॉल में रोका गया और ट्रेनों के हिसाब से ही प्लेटफार्म पर भेजा गया। रेलवे के च्च्ट अमित सिंह ने बताया कि मंगलवार सुबह से अब तक 55 महाकुंभ स्पेशल ट्रेनें रवाना की गई हैं।

सोमवार रात से अभी तक 4 लोगों की दिल का दौरा पड़ने से मौत हो चुकी है। इनमें 3 स्वरूप रानी नेहरू अस्पताल और 1 मेला केंद्रीय अस्पताल में भर्ती थे। जब लोगों को लगा कि उनका प्रयागराज से आज निकलना संभव नहीं है, तो उन्होंने रैन बसेरों का रुख किया। लेकिन, सभी रैन बसेरे फुल हो चुके हैं। हजारों की संख्या में लोग होटल और रैन बसेरों के बाहर देखे गए। कई लोगों ने सड़कों पर ही डेरा डाल दिया। सोमवार को पहले स्नान के दौरान 1.65 करोड़ लोगों ने संगम में स्नान किया था। मंगलवार को 3.5 करोड़ लोगों ने स्नान किया। इस तरह 2 दिनों में कुल 5.15 करोड़ लोग संगम में स्नान कर चुके हैं। सुबह 6 बजे अमृत स्नान का दृश्य अद्भुत था। हाथों में तलवार, त्रिशूल और डमरू लिए संन्यासी हर–हर महादेव का उद्घोष करते हुए घाटों पर पहुंचे। महाकुंभ में पहली बार शाही स्नान की जगह अमृत स्नान शब्द का उपयोग किया गया। अखाड़ों ने नाम बदलने का प्रस्ताव दिया था। स्नान करने के बाद श्रद्धालुओं ने भगवान सूर्य को अर्घ्य दिया और शंख बजाया। अखाड़ों में महिला संन्यासिनियों ने भी अमृत स्नान में भाग लिया। सबसे ज्यादा महिला नागा साधु जूना अखाड़े में शामिल हैं। मंगलवार सुबह संगम पर इतनी भीड़ थी कि पैर रखने की जगह नहीं बची। पंचायती, अटल, निरंजनी और आनंद अखाड़े के नागा साधुओं और संतों ने एक साथ स्नान किया।

जर्मनी, ब्राजील, रूस सहित 20 देशों के भक्त महाकुंभ में शामिल हुए

अमृत स्नान करने पहुंचे जूना अखाड़े के पीठाधीश्वर अवधेशानंद जी महाराज ने साधु–संतों के साथ गंगा को चुनरी अर्पित की।

महिला नागा साधुओं ने भी हिस्सा लिया

साधु–संतों ने अमृत स्नान किया

संगम पर श्रद्धालुओं पर हेलिकॉप्टर से फूलों की वर्षा की गई। प्रयागराज रेलवे स्टेशन पर भारी भीड़ को देखते हुए यात्रियों को नियंत्रित तरीके से ट्रेन नंबर के आधार पर प्लेटफार्म पर भेजा जा रहा है। विदेशी श्रद्धालुओं ने भी महाकुंभ का अनुभव साझा किया। पोलैंड और इटली से आई महिलाओं ने व्यवस्था और श्रद्धालुओं की भीड़ की सराहना की। पहली बार महाकुंभ में अंडरवाटर ड्रोन तैनात किए गए, जो पानी के अंदर की गतिविधियों की निगरानी कर रहे हैं।

अखाड़ों के साधु त्रिशूल, तलवार, और डमरू लेकर पहुंचे

13 अखाड़ों के साधु-संतों ने अमृत स्नान किया

संगम नोज पर उमड़ा सैलाब

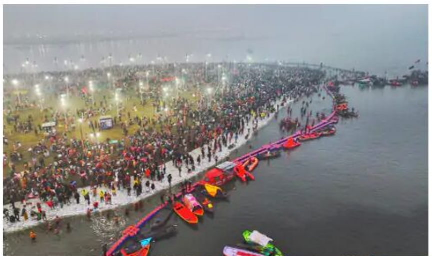

मकर मेले में दही खाने की अनूठी प्रतियोगिता 7 दिवसीय मकर मेले की शुरुआत

संवाददाता केशव न्यूज

राजगीर के पवित्र तीर्थस्थल में मंगलवार से 7 दिवसीय मकर मेले की शुरुआत हुई। मेले में जिला प्रशासन द्वारा दही खाओ, इनाम जीतो' नामक अनोखी प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। इस प्रतियोगिता में महिलाओं, पुरुषों और छात्र–छात्राओं ने बढ़–चढ़कर हिस्सा लिया।

प्रतियोगिता में कुल 213 प्रतिभागियों ने भाग लिया, जिनमें 38 महिलाएं, 75 पुरुष और 100 छात्र–छात्राएं शामिल थे। छात्राओं की श्रेणी में विनीता कुमारी ने 1299 ग्राम दही खाकर प्रथम स्थान प्राप्त किया। अंजली कुमारी 1179 ग्राम के साथ दूसरे स्थान पर रहीं, जबकि रीति कुमारी ने 1166 ग्राम दही खाकर तीसरा स्थान हासिल किया।

मेले के उद्घाटन अवसर पर ग्रामीण विकास मंत्री श्रवण कुमार ने कहा कि राजगीर की धार्मिक और सांस्कृतिक विरासत को संजोने में मकर मेला महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। हर वर्ष नए और रोचक कार्यक्रमों के समावेश से मेले की लोकप्रियता बढ़ रही है।

सांसद कौशलेंद्र कुमार ने प्रतियोगिता के विजेताओं को पुरस्कृत करते हुए कहा कि दही खाने की प्रतियोगिता और पतंग उत्सव ने मेले को और आकर्षक बना दिया है। बच्चों और युवाओं की भागीदारी ने इस आयोजन को और भी जीवंत बना दिया है।

इसके साथ ही आयोजित पतंग उत्सव में बड़ी संख्या में लोगों ने भाग लिया। राजगीर का आसमान रंग–बिरंगी पतंगों से सज गया, जहां बच्चों से लेकर युवाओं तक ने अपनी पतंगबाजी का शानदार प्रदर्शन किया।

यह 7 दिवसीय मेला न केवल धार्मिक और सांस्कृतिक परंपराओं का प्रतीक है, बल्कि यह क्षेत्रीय विरासत को संरक्षित करने और पर्यटन को बढ़ावा देने का भी एक महत्वपूर्ण माध्यम है।

5.97 लाख की फर्जी लूट का 10 घंटों में खुलासा कैशियर ने ऑनलाइन गेमिंग में हारी रकम को छिपाने के लिए रची थी साजिश, रुपए बरामद

संवाददाता केशव न्यूज

नालंदा के एकंगरसराय थाना क्षेत्र में कथित 5.97 लाख रुपए की लूट का मामला मात्र 10 घंटों में सुलझा लिया गया। जांच में चौंकाने वाला खुलासा हुआ कि यह लूट की घटना नहीं, बल्कि एक कैशियर द्वारा रची गई साजिश थी। कैशियर ने ऑनलाइन गेमिंग में हारी हुई रकम को छिपाने के लिए यह झूठी कहानी गढ़ी थी।

हिलसा डीएसपी–2 गोपाल कृष्ण ने बताया कि स्पंदना स्मृति फाइनेंशियल लि. मिटेड में कार्यरत 23 वर्षीय कैशियर रोशन कुमार ने सोमवार को पुलिस को बताया कि जब वह पैसों से भरा बैग एसबीआई एकंगरसराय में जमा करने जा रहे थे, तब तीन अज्ञात बाइक सवारों ने उनका बैग छीन लिया। पुलिस ने तुरंत कार्रवाई करते हुए मामले की जांच शुरू की।

सीसीटीवी फुटेज और बयान की गहन जांच में कैशियर की कहानी में कई विसंगतियां पाई गईं। गहन पूछताछ के दौरान रोशन कुमार ने स्वीकार किया कि उन्होंने ऑनलाइन गेमिंग में भारी रकम हार जाने के कारण मानसिक तनाव में आकर लूट की झूठी कहानी बनाई।

पुलिस ने रोशन के पास से 5,37,060 रुपए बरामद कर लिए। रोशन औरंगाबाद जिले के गोह थाना क्षेत्र के दधपी गांव का रहने वाला है और वर्तमान में स्पंदना स्मृति फाइनेंशियल लिमिटेड की एकंगरसराय शाखा में कार्यरत था।

एकंगरसराय थाना प्रभारी अखिलेश कुमार झा ने बताया कि कैशियर को गिरफ्तार कर लिया गया है और आगे की कानूनी कार्रवाई जारी है। इस मामले ने यह दिखाया कि ऑनलाइन गेमिंग की लत किस प्रकार युवाओं को गलत दिशा में ले जा सकती है।

इस मामले की जांच में हिलसा डीएसपी–2 गोपाल कृष्ण, श्रीकांत कुमार, और आलोक कुमार सहित कई पुलिस अधिकारियों की टीम शामिल थी। पुलिस ने तकनीकी और मानवीय खुफिया तंत्र का उपयोग करके इस मामले को सुलझाया।

पुलिसकर्मियों से भरी बस अनियंत्रित होकर यात्री शेड से टकराई, महिलाओं सहित दर्जनभर घायल

संवाददाता केशव न्यूज

नालंदा जिले के हिलसा थाना क्षेत्र में मंगलवार की सुबह एक गंभीर सड़क हादसा हुआ। पुलिसकर्मियों से भरी एक बस अनियंत्रित होकर सड़क किनारे बने यात्री शेड से जा टकराई। इस हादसे में दर्जनभर पुलिसकर्मी घायल हो गए। घटना कामता हाल्ट के समीप फतुहा–इस्लामपुर मुख्य मार्ग पर हुई।

घटना के समय बस पर सवार सभी पुलिसकर्मी मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के प्रगति यात्रा कार्यक्रम में ड्यूटी पूरी कर समस्तीपुर से लौट रहे थे। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, ड्राइवर को नींद आ जाने के कारण यह दुर्घटना हुई। हादसे में सिपाही कोमल कुमारी, दीप सिंह, अंशिका कुमारी, मणिकांत कुमार, रीता कुमारी, स्वाति कुमारी और नमिता कुमारी सहित अन्य पुलिसकर्मी घायल हो गए।

घायल पुलिसकर्मियों को स्थानीय लोगों और पुलिसकर्मियों की मदद से पास के अनुमंडलीय अस्पताल में भर्ती कराया गया। डॉक्टरों ने बताया कि कुछ पुलिसकर्मियों को हल्की चोटें आई हैं, जबकि कुछ की स्थिति गंभीर है और उन्हें विशेष इलाज के लिए बेहतर सुविधाओं वाले अस्पताल भेजने की तैयारी की जा रही है। घायल सिपाहियों ने बताया कि वे समस्तीपुर में मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की प्रगति यात्रा में तैनात थे। ड्यूटी समाप्त कर अपने–अपने जिले लौटते समय बस अनियंत्रित हो गई और यात्री शेड से टकरा गई। हादसे के बाद बस पर सवार पुलिसकर्मियों में अफरा–तफरी मच गई।

स्थानीय लोगों ने तत्परता दिखाते हुए घायलों को तुरंत बाहर निकाला और प्राथमिक चिकित्सा के लिए अस्पताल पहुंचाया। हादसे में यात्री शेड पूरी तरह से क्षतिग्रस्त हो गया। स्थानीय लोगों का कहना है कि यह शेड यात्रियों के लिए एकमात्र आश्रय स्थल था। इसके टूट जाने से यात्रियों को परेशानियों का सामना करना पड़ेगा। प्रशासन से मांग की जा रही है कि इसे जल्द से जल्द पुनः बनाया जाए।

हिलसा थाना अध्यक्ष अभिजीत कुमार ने बताया कि हादसे की जानकारी मिलते ही पुलिस टीम तुरंत घटनास्थल पर पहुंची। घायल पुलिसकर्मियों को प्राथमिक इलाज के लिए अनुमंडलीय अस्पताल में भर्ती कराया गया है। फिलहाल मामले की जांच जारी है। दुर्घटना का मुख्य कारण ड्राइवर को नींद आना माना जा रहा है। यह घटना पुलिसकर्मियों की यात्रा के दौरान सुरक्षा इंतजामों की कमी को उजागर करती है। प्रशासन ने आश्वासन दिया है कि भविष्य में ऐसी दुर्घटनाओं से बचने के लिए आवश्यक कदम उठाए जाएंगे। पुलिसकर्मियों की यात्रा के दौरान ड्राइवरों के आराम और सतर्कता सुनिश्चित करने के लिए दिशा–निर्देश जारी किए जाएंगे।

इस हादसे ने न केवल पुलिसकर्मियों के स्वास्थ्य और सुरक्षा पर सवाल उठाए हैं, बल्कि यातायात सुरक्षा उपायों की ओर भी ध्यान खींचा है। स्थानीय लोग और पुलिस प्रशासन अब मिलकर इस तरह की घटनाओं को रोकने के लिए प्रयासरत हैं।

चूड़ा–दही भोज में राजनीति का रंग चिराग अनुपस्थित सीएम नीतीश ने रामविलास को दी श्रद्धांजलि

संवाददाता केशव न्यूज

पटना में मकर संक्रांति के अवसर पर लोजपा–रा के दफ्तर में चूड़ा–दही का भोज आयोजित किया गया, जिसमें एनडीए के सभी नेताओं को आमंत्रित किया गया था। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार भी इस भोज में शामिल हुए। हालांकि, पार्टी प्रमुख और केंद्रीय मंत्री चिराग पासवान वहां मौजूद नहीं थे। मुख्यमंत्री का स्वागत पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष राजू तिवारी और अन्य नेताओं ने किया।

मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने लोजपा संस्थापक स्वर्गीय रामविलास पासवान के चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित की और कुछ देर बैठने के बाद वहां से रवाना हो गए। उनके जाने के बाद चिराग पासवान दफ्तर पहुंचे। इस बारे में पूछे जाने पर चिराग ने कहा कि मुख्यमंत्री के आने की सूचना मिलने के वक्त वह पूजा में व्यस्त थे। उन्होंने मकर संक्रांति के खास पर्व के लिए आयोजित विशेष पूजा के कारण विलंब होने की बात कही। चिराग ने कहा, मुख्यमंत्री का आना हमारे लिए महत्वपूर्ण है, और उनकी व्यस्तता और समय का सम्मान करना चाहिए। इसके बाद राज्यपाल आरिफ मोहम्मद खान भी लोजपा–रा कार्यालय पहुंचे और मकर संक्रांति के भोज में भाग लिया। भोज में पार्टी के सभी पदाधिकारी और कार्यकर्ता शामिल हुए। चूड़ा–दही भोज के बाद चिराग पासवान ने मीडिया से बातचीत के दौरान दिल्ली चुनाव और विपक्षी गठबंधन श्इंडियाश पर अपनी राय रखी। उन्होंने कहा कि इंडिया गठबंधन का अस्तित्व अब खतरे में है। उन्होंने राहुल गांधी पर निशाना साधते हुए कहा कि वह न तो गठबंधन को संभाल पा रहे हैं और न ही अपनी पार्टी कांग्रेस को। दिल्ली चुनाव पर बात करते हुए चिराग ने कहा कि कांग्रेस और आम आदमी पार्टी आमने–सामने हैं, जबकि सपा और टीएमसी आम आदमी पार्टी को समर्थन दे रही हैं। इससे कांग्रेस अलग–थलग पड़ गई है। उन्होंने सवाल उठाया कि जब दिल्ली में इंडिया गठबंधन टूटता दिख रहा है, तो बिहार में आगामी विधानसभा चुनाव तक यह गठबंधन बरकरार रह पाएगा या नहीं। चूड़ा–दही भोज के दौरान चिराग पासवान और नीतीश कुमार के आमने–सामने न आ पाने को लेकर राजनीतिक गलियारों में चर्चाएं तेज हो गई हैं। हालांकि, दोनों ने अपने–अपने बयानों में इसे साधारण संयोग बताया, लेकिन यह घटना गठबंधन के अंदर के समीकरणों पर कई सवाल खड़े कर रही है।

ट्रेडिंग और अन्य बहानों से 29 लोगों से 2.68 करोड़ की साइबर ठगी

पटना में साइबर अपराधियों ने अलग–अलग तरीकों से 29 लोगों से 2.68 करोड़ रुपये की ठगी की। सभी मामले साइबर थाना में दर्ज किए गए हैं। इन घटनाओं में ट्रेडिंग के नाम पर, बिजली और गैस कनेक्शन काटने की धमकी देकर, और फर्जी अधिकारियों के नाम से लोगों को ठगा गया।

गर्दनीबाग के दीपक कुमार, जो गिफ्ट कार्ड का व्यवसाय करते हैं और स्टार कंसल्टेंसी नाम से कंपनी चलाते हैं, को ठगने का मामला सामने आया। सितंबर 2023 में नरेश कुमार साहू नामक व्यक्ति ने उनसे संपर्क कर उनके व्यवसाय में सामान आपूर्ति करने का वादा किया। दीपक ने नरेश के खाते में 1.38 करोड़ रुपये जमा किए, लेकिन इसके बाद नरेश ने फोन उठाना बंद कर दिया। कभी–कभी फोन उठाने पर वह धमकी भी देता है।

भी मामलों में साइबर थाना पुलिस ने जांच शुरू कर दी है। इन घटनाओं से यह स्पष्ट होता है कि साइबर अप. राधी अलग–अलग तरकीबों से लोगों को धोखा देने की कोशिश कर रहे हैं।

74 करोड़ से सड़कों का जीर्णोद्धार, 65 ग्रामीण सड़कों का कायाकल्प, सबसे अधिक बिहार शरीफ के 21 सड़कें सुधारेंगी

संवाददाता केशव न्यूज

नालंदा , राज्य सरकार की महत्वाकांक्षी मुख्यमंत्री ग्रामीण सड़क उन्नयन योजना के तहत नालंदा जिले की 65 ग्रामीण सड़कों का जीर्णोद्धार किया जाएगा। इसके लिए 74 करोड़ रुपये की राशि स्वीकृत की गई है।

जिले के ग्रामीण कार्य विभाग के कार्यपालक अभियंता अनीश कुमार सिंह ने बताया कि इन सड़कों की कुल लंबाई लगभग 94 किलोमीटर है। इनमें रहुई की चार, बिन्द की 11, अस्थावां की 17, सरमेरा की 12 और बिहार शरीफ प्रखंड की 21 महत्वपूर्ण सड़कें शामिल हैं। उन्होंने बताया कि इन सड़कों की मरम्मत से न केवल ग्रामीण क्षेत्रों में आवागमन में सुविधा होगी, बल्कि कृषि उत्पादों के परिवहन में भी आसानी होगी।

स्थानीय ग्रामीणों ने इस परियोजना का स्वागत करते हुए कहा कि इन सड़कों की खराब स्थिति के कारण उन्हें काफी समस्याओं का सामना करना पड़ता था। विशेष रूप से बारिश के मौसम में इन सड़कों पर चलना लगभग असंभव हो जाता था। एक स्थानीय किसान, रामानंद सिंह ने बताया कि इस योजना से हमारे गांव का विकास होगा और हमारी आर्थिक स्थिति में सुधार आएगा।

मुख्यमंत्री ग्रामीण सड़क उन्नयन योजना राज्य सरकार की एक महत्वाकांक्षी परियोजना है, जिसका उद्देश्य ग्रामीण क्षेत्रों के विकास को गति देना है। इस योजना के तहत राज्य के विभिन्न जिलों में सड़कों का निर्माण और मरम्मत का कार्य तेजी से चल रहा है। 2024 के 31 मार्च से पहले मेंटेनेंस की समय सीमा खत्म होने वाली सड़कों को इसमें शामिल किया गया है।